भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या – 284

दिनांक **13.08.2026** को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत के समुद्री हितों की रक्षा

***284 श्री अखिलेश प्रसाद सिंह:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारत–प्रशांत क्षेत्र में हाल के भू–राजनीतिक घटनाक्रमों और भारत की समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक हितों पर उनके प्रभाव की समीक्षा की है;

(ख) क्या भारत ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मित्र देशों के साथ सामरिक सहयोग को सुदृढ़ किया है;

(ग) राजनयिक वार्ता के माध्यम से भारत के समुद्री आर्थिक हितों की रक्षा के लिए क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार क्षेत्रीय समुद्री सहयोग संबंधी पहल में भारत की भूमिका को और बढ़ाने का विचार रखती है?

उत्तर

विदेश मंत्री

(डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर)

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*****

"भारत के समुद्री हितों की रक्षा" के संबंध में दिनांक 13.08.2026 के राज्यसभा तारांकित प्रश्न संख्या 284 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

सरकार, हिंद–प्रशांत क्षेत्र के ऐसे सभी घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रखती है जो भारत की सुरक्षा और आर्थिक हितों को प्रभावित करते हैं और उन्हें सुरक्षित करने के लिए लगातार उचित कदम उठाती है।

सरकार ने मौजूदा भू–राजनीतिक घटनाक्रमों के संदर्भ में, उच्चतम स्तरों सहित, सभी स्तर पर अपने सभी भागीदारों के साथ निकट संपर्क किया है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में जापान, वियतनाम, म्यांमार, श्री लंका, मलेशिया, इंडोनेशिया, मॉरिशस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के नेताओं के साथ वार्ता की है। वह ईरान, इज़रायल, जीसीसी सदस्यों और जॉर्डन के नेताओं के साथ भी संपर्क में रहे हैं। विदेश मंत्री ने हाल ही में आसियान, क्वाड और कोरिया गणराज्य में अनेक समकक्षों से मुलाकात की है और फिलीपींस, यूएई, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन की यात्रा की है।

इन उच्च स्तरीय राजनयिक प्रयासों के साथ–साथ विशिष्ट सुरक्षा उपाय भी किए गए, जिनमें भारतीय जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती, भारतीय नाविकों की सुरक्षा और संरक्षा तथा भारत में आवश्यक वस्तुओं की बाधा रहित आपूर्ति सुनिश्चित करना शामिल है। भारतीय नौसेना इस संबंध में मित्र देशों की नौसेना के साथ सहयोग कर रही है।

भारत विज़न महासागर (क्षेत्र में सुरक्षा और विकास की पारस्परिक और समग्र उन्नति) के मार्गदर्शन में एक ऐसे हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लिए कार्य कर रहा है जो मुक्त, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्ध हो और विशेष रूप से यूएनसीएलओएस जैसे अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्य करे। भारत आईओआरए (हिंद महासागर रिम एसोसिएशन) और आईओएनएस (हिंद महासागर नौसेना सिंपोज़ियम) के अध्यक्ष के रूप में और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, एआरएफ, बिम्सटेक, आसियान सहित अनेक बहुपक्षीय मंचों पर एक सक्रिय सदस्य के रूप में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग क्रियाकलापों को बढ़ावा दे रहा है जिसका उद्देश्य समुद्री सुरक्षा, आपदा सहायता और सुदृढ़ता तंत्र को मजबूत बनाना, क्षेत्र में समुद्री पर्यावरण की रक्षा करना और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानून को कायम रखना है।

*****